ISSN (Online) 2582-9327

IJARSCMT

International Journal of Advanced Research in Science, Commerce, Management and Technology

Impact Factor: 5.781

Volume 3, Issue 7, July 2022

रीवा जिला (म.प्र.) की रायपुर कर्चुलियान ग्राम पंचायत की पोषाहार उपलब्धता का स्वरूप : एक भौगोलिक अध्ययन

सोनम साकेत

शासकीय महाविद्यालय रायपुर कर्चुलियान, रीवा (म.प्र.)

सारांशः—

मानवीय स्वास्थ्य एवं उसके शारीरिक संरचना एवं विकास के लिये संतुलित पोषाहार की आवश्यकता होती है। क्षेत्रीय भिन्नताओं के अनुसार पोषाहार उपलब्धता की प्रकृति में अन्तर पाया जाता है। किसी भी क्षेत्र में पोषाहार से सम्बन्धित पदार्थ एक स्थान पर उपलब्ध नहीं होते जिनकी आपूर्ति आयात द्वारा की जाती है, जो उस प्रदेश की जनसंख्या के आर्थिक स्तर द्वारा तय हो पाती है। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की भाँति रीवा जिला के रायपुर कर्चुलियान ग्राम पंचायत में पोषाहार की स्थानीय उपलब्धता में खाद्यान, देशज फल (आम) साग, भाजी एवं पशु पदार्थ प्रमुख है। खाद्यानों में गेहूँ, चना एवं तिलहन का वार्षिक उत्पादन किया जाता है, जब कि फलों के उत्पादन में अनिश्चितता बनी रहती है, जो प्रतिवेदित ग्राम पंचायत के संतुलित पोषाहार उपलब्धता स्थानिक स्तर पर कम है, फलतः इस ग्राम पंचायत की जनसंख्या में कुपोषण स्वाभाविक है। प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में पोषाहार उपलब्धता के वर्तमान स्वरूप से संबंधित है।

मूल शब्दः 1. पोषण, 2. उपलब्धता, 3. कृषि उपज, 4. स्वास्थ्य।

प्रस्तावनाः—

शारीरिक गतिविधियों के संचालन एवं इसके विकास के लिये पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिसकी आपूर्ति मनुष्य द्वारा आहार के रूप में की जाती है। कोई भी ग्राह्य आहार ठोस एवं तरल रूप में लिया जाता है। संतुलित आहार में शरीर की मांग के अनुसार सभी पोषक तत्वों की उपस्थिति आवश्यक है। अर्थात्, पोषक तत्वों में संतुलित मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण, पानी आदि सभी तत्वों की संतुलित मात्रा से है। इन पोषक तत्वों में से अगर किसी तत्व की कमी होती है, तो इसके अभाव में शरीर के अंग विशेष में विकृति होने से रूग्णता के कारण शरीरिक एवं बौद्धिक कार्यक्षमता स्वाभाविक रूप से प्रभावित होती है।[1]

ठोस एवं तरल अवस्था में लिये जाने वाले इन पोषक तत्वों की उपलब्धता प्रकृति के मध्य ही उपलब्ध होती है। परन्तु क्षेत्रीय एवं स्थानिक भिन्नताओं के वजह से इन सभी पोषक तत्वों की उपलब्धता एक स्तर पर नहीं हो पाती।

मध्य प्रदेश के अन्य ग्राम पंचायतों की भाँति रीवा जिला के रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की रायपुर कार्चुलियान ग्राम पंचायत जिसके अंतर्गत में पाये जाने वाले प्रमुख पोषाहारों में खाद्यान्न, फल, साग, सब्जियाँ एवं पशु उत्पाद है। प्रस्तुत शोध पत्र में प्रतिवेदित ग्राम पंचायत में उपलब्ध पोषाहार की प्रकृति तथा इस ग्राम पंचायत क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या के लिए उसके उपलब्धता के स्वरूप का शोधात्मक अध्ययन किया गया है।

शोध विधिः

प्रस्तावित शोध अध्ययन क्षेत्रीय सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त प्राथमिक आँकड़ों तथा ग्राम पंचायत स्तर पर हल्का पटवारी एवं ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान के पंचायत सचिव से प्राप्त द्वितीयक आँकड़ों के प्रयोग द्वारा पूर्ण किया गया है। अध्ययन की बोधगम्यता के लिये आवश्यतानुसार आरेखों की सहायता ली गई हैं।

अध्ययन क्षेत्रः

ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान $24^{0}34'$ उत्तरी अक्षांश एवं $81^{0}28'$ पूर्वी देशान्तर पर राष्ट्री राजमार्ग क्र. 07 (प्र.खण्ड 30) पर जिला मुख्यालय रीवा से 12 किलोमीटर पूर्व स्थित है। प्रतिवेदित ग्राम पंचायत के उत्तरी भाग में बुढ़िया ग्राम पंचायत दक्षिण में ऐतला एवं खुझ ग्राम पंचायत, पश्चिम में पहड़िया एवं रामनई ग्राम पंचायतें तथा पूर्व में जोगिनहाई ग्राम पंचायत जिसका सीमांकन महाना नदी करती है स्थित है।[2] प्रतिवेदित ग्राम पंचायत के अंतर्गत समाहित है जिनका प्रतिवेदिन क्षेत्रफल 988.012 हेक्टेयर तथा जनसंख्या 6415 व्यक्ति (2011) है।[3] विकासखण्ड एवं तहसील स्तर के सभी कार्यालय इस ग्राम पंचायत में स्थित पाये जाते हैं।

भौगोलिक स्वरूपः

रायपुर कर्चुलियान ग्राम पंचायत रीवा–मनगवाँ पठार में स्थित है, जिसकी समुद्र सतह से औसत ऊँचाई 342 मीटर पाई जाती है। वस्तुतः यह ग्राम पंचायत गोरेगाँव डोंगरी एवं रामनई एवं पहड़िया के मध्य स्थित है, उक्त तीनों अवशिष्ट पहाड़ियाँ हैं। वर्तमान में यह भू–भाग एक लघु इकाई जल विभाजक है, जिसका ढाल उत्तर पूर्व में महाना नदी की ओर तथा पश्चिम शिरखिनी–रामनई नाले की ओर है, जिसे बाँध के रूप में पर्णित कर नाले के स्वरूप को वाधित कर दिया गया है। स्थानिक उच्चवाच की विशिष्टताओं को देखते हुए निम्नांकित तीन भौतिक उपइकाईयों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. महाना नदी का तलपट्टी क्षेत्रः–

प्रतिवेदित ग्राम पंचायत के दक्षिणी पूर्वीभाग में महाना नदी प्रविष्ट होकर सर्पिल मार्ग द्वारा उत्तर की ओर प्रवाहित होती है। यह नदी इस ग्राम पंचायत की पूर्वी सीमा का निर्धारण करती है। लगभग समस्त ग्राम

पंचायत के 60 प्रतिशत क्षेत्र का जल विसर्जन इस नदी द्वारा है। इस उप इकाई की औसत ऊँचाई 338 मीटर है। यह समस्त ग्राम पंचायत क्षेत्रफल का 12 प्रतिशत भाग है।

2. मध्यवर्ती समतल भू–भागः–

इस उप–इकाई का सर्वाधिक भूक्षेत्र 662.04 हेक्टेयर है, जो ग्राम पंचायत के कुल क्षेत्रफल का 67 प्रतिशत भाग है। जहाँ जल संचयन हेतु तालाब की संरचना के अवशेष है। वर्तमान में इस भूभाग में अधिवासीय स्वरूप विकसित हुआ पाया जाता है।

पश्चिमी निम्नभूमिः–

ग्राम पंचायत का पश्चिमी क्षेत्र ढलुवा निम्नवर्ती क्षेत्र है जो दलसागर तालाब, रोरग्राम तथा रामनई ग्राम पंचायत के मध्य एक वेसिन के रूप में स्थित है, जिसका ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर हैं शिरखिनी अधिवासीय क्षेत्र के पश्चिमी भाग में जल संचयन की लिए एक तालाब की संरचना दृष्टिगोचर होती है, जिसमें रामनई की पहाड़ी तथा भलुही–भलुहा ग्राम पंचायत क्षेत्र में विसर्जित जल संचयित होता है तथा एक नाले द्वारा पश्चिमोत्तर प्रवाहित हो जाता है। वर्तमान में नाले को बाँध बनाकर कृषि क्षेत्र के रूप में परिवर्तित कर लिया गया है। रायपुर कर्चुलियान ग्राम पंचायत क्षेत्र में यह मेखला गेहूँ उत्पादन के लिये जानी जाती है। रायपुर सगरा मार्ग पर महसुआ अधिवासीय क्षेत्र में एक अन्य तालाब स्थित है, जो सदानीरा तथा इस ग्राम पंचायत का सांस्कृतिक स्थल है।

प्रवाह प्रणाली एवं जलवायुः–

इस ग्राम पंचायत में अपकेन्द्रीय प्रवाह प्रणाली विकसित है, तथापि क्षेत्रीय दृष्टि से पूर्व की ओर महाना नदी स्थित है जिसका प्रवाह मार्ग दक्षिण से उत्तर की ओर है, जबकि दक्षिणी पश्चिमी प्रवाह की संरचना (नाला) को कृषि क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। जिसका जल चादरवत प्रवाहित होता हुआ बीहर घाटी में पहुँचता है। ग्राम पंचायत क्षेत्र से निकलने वाली महाना नदी में छोटे–छोटे घुमावदार मोड़ पाये जाते हैं। जोगिनहाई ग्राम के पास यह रा.रा.मा. 07 को पार करते हुये सर्पिल घाटी द्वारा उत्तर की ओर प्रवाहित है। नदी का किनारा आम के बगीचों से सदा हरा–भरा दृष्टिगोचर होता है। इस ग्राम पंचायत में कुल 03 तालाब है। जनवरी महीने में प्रवासी पक्षियों का आना इन तालाबों का आकर्षण केन्द्र रहता है।

रीवा जिला के अन्य ग्राम पंचायतों की भाँति इस ग्राम पंचायत में मानसूनी जलवायु पाई जाती है।

विश्लेषणः–

पोषण अच्छे स्वास्थ्य एवं कार्य सम्पादन क्षमता में अभिवृद्धि के लिये आवश्यक है, जो मनुष्य को आहार के द्वारा प्राप्त होती है। पोषक पदार्थों की न्यून उपलब्धता जनसंख्या को कुपोषित एवं रूग्ण बनाती है, जिससे

ISSN (Online) 2582-9327

IJARSCMT

International Journal of Advanced Research in Science, Commerce, Management and Technology

Impact Factor: 5.781

Volume 3, Issue 7, July 2022

किसी क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या की कार्य क्षमता एवं समग्र विकास वाधित होता है। वस्तुतः पोषण वह आधार होता है, जिसमें पोषण तत्वों का उपयोग करते हुये व्यक्ति मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है। ग्राह्य आहार के आधार पर पोषक के स्तर के निम्नानुसार 03 वर्ग हैः–

1. अनुकूलतम पोषण
2. अपर्याप्त पोषण
3. अत्यधिक पोषण

अनुकूलतम पोषण से तात्पर्य पोषण के उस स्तर से है, जिसमें शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य दृष्टिगोचर होती है। ऐसा तभी संभव होता है, जब आहार में सभी पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा ग्रहण की जावें। ऐसे पोषक तत्व मानव समुदाय को धरती पर विभिन्न रूपों में उपलब्ध होते हैं। इन पोषक तत्वों में अधिकांश जनसंख्या को उपलब्ध हो जाता है, किनतु अनेक ऐसे पोषक तत्वों की स्थानिक उपलब्धता न होने पर दूसरे क्षेत्रों में निर्भर होना पड़ता है, जिसे कुछ सम्पन्न लोग ही उपयोग हेतु प्राप्त कर पाते हैं, फलतः समग्र जनसंख्या को संतुलित पोषण उपलब्ध नहीं हो पाता। ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान (जिला रीवा) में स्थानिक रूप में पोषक तत्वों की उपलब्धता मुख्य रूप से कृषि उपजों वानस्पतिक उपजों एवं पशु पदार्थों से उपलब्ध हो पाता है जिनकी प्रवृत्ति निम्नानुसार पायी जाती हैः–

भूमि उपयोगः–

प्रवतिवेदित ग्राम पंचायत में आहार के रूप में प्राप्त पोषक तत्वों का एक बहुत बड़ा अंश कृषि उपजों द्वारा प्राप्त है, जिनके लिये कृषि भूमि की आवश्यकता होती है। वर्ष 2019–20 में प्रतिवेदित ग्राम पंचायत में उपलब्ध भूमि उपयोग के स्वरूप निम्नानुसार रहाः–

सारणी क्रमांक–01: ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान का भूमि उपयोग वर्ष 2021–22

भूमि उपयोग विवरण	क्षेत्रफल हे. में	ग्राम पंचायत क्षेत्र से प्रतिशत
वन भूमि	147.437	23.45
कृषि के लिये अनुपलब्धता	6.294	1.001
पड़ती 02 वर्ष से 05 वर्ष	52.97	8.43
चालू वर्ष	57.426	9.14
गोचर भूमि	4.343	0.69
वाग झाड़–झंखाड़	360.021	57.28
निरा फसली क्षेत्र		
एक फसली	101.111	28.08

दो फसली	258.41	71.92
योग	**988.012**	**100**

स्रोतः– हल्का पटवारी ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान का प्रतिवेदन वर्ष 2021

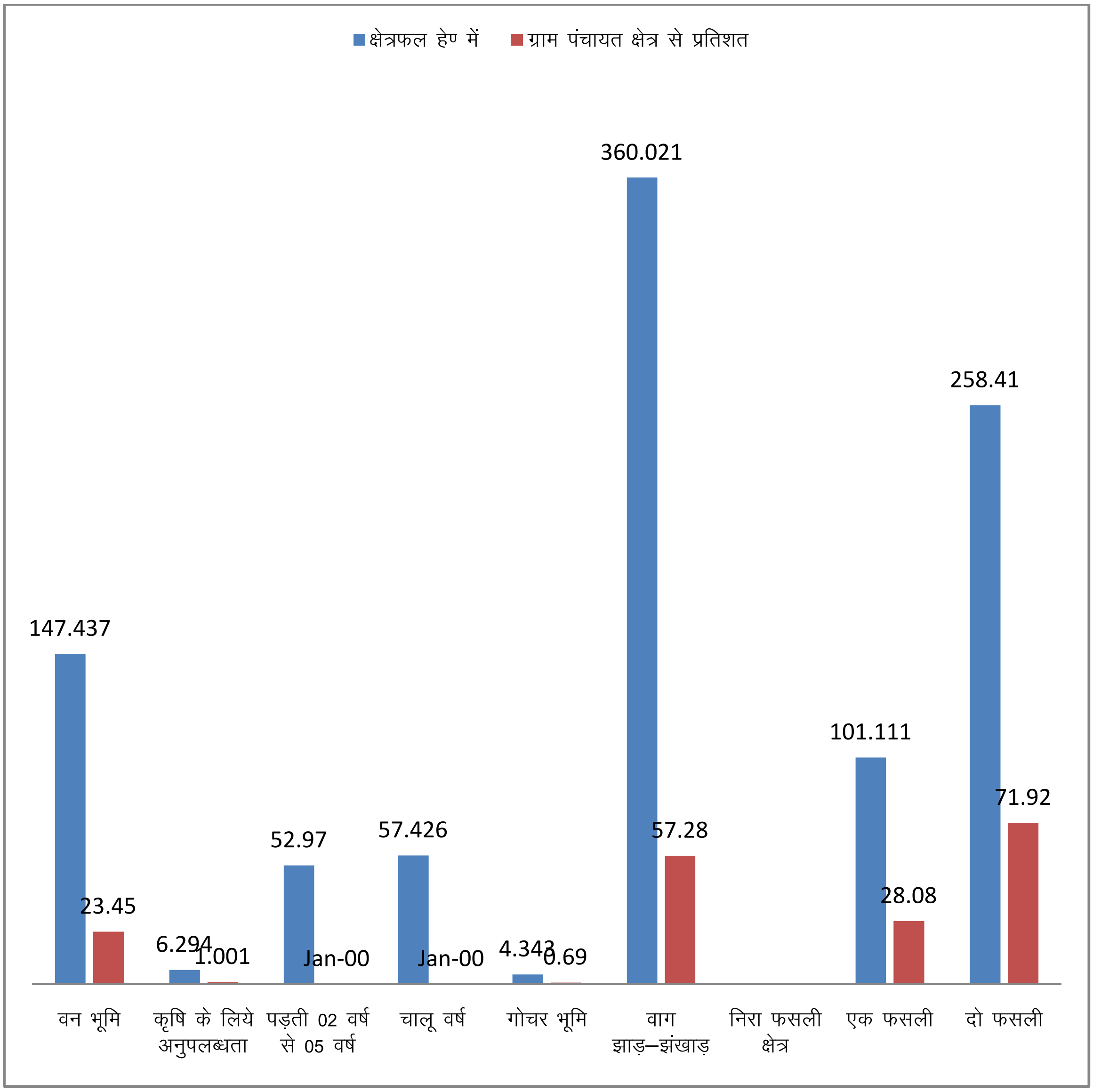

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 01 के अनुसार ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान का पटवारी पत्रक के अनुसार कुल प्रतिवेदन क्षेत्रफल 988.012 हेक्टेयर है। कुल क्षेत्रफल में वनों का प्रतिशत निरंक पाया जाता है। इस ग्राम पंचायत में कोई वनभूमि नहीं है, जबकि कुल क्षेत्रफल का 23.45 प्रतिशत कृषि के लिये अनुपलब्ध है। अनुपलब्ध कृषि क्षेत्र में नदी (जल क्षेत्र) गाँव–गोठान एवं सड़क मार्ग के लिये भूमि का उपयोग हो रहा है। प्रतिवेदित ग्राम पंचायत के कुल भूमि का 9.44 प्रतिशत भाग पड़ती है जिसमें 1.00 प्रतिशत 02 वर्ष से 05 वर्ष पुरानी पड़ती तथा 8.43 प्रतिशत चालू वर्ष की पड़ती भूमि है। गोंचर–बंजर भूमि 9.14 प्रतिशत भाग तथा बाग–बगीचे कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 0.69 प्रतिशत भाग में विस्तृत है। प्रस्तावित ग्राम पंचायत के कुल

ISSN (Online) 2582-9327

IJARSCMT

International Journal of Advanced Research in Science, Commerce, Management and Technology

Impact Factor: 5.781

Volume 3, Issue 7, July 2022

क्षेत्रफल में सर्वाधिक 57.28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में प्रयुक्त की जा रही है, जिसमें 28.08 प्रतिशत एक फसली एवं 71.92 प्रतिशत दो फसली भूमि है।

प्रमुख फसलें:–

ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान में उत्पन्न की जाने वाली प्रमुख फसलों में गेहूँ, चना, सरसों, मसूर आदि (सारणी क्र. 02) है।[4]

सारणी क्रमांक–02: ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान प्रमुख फसलों का उत्पादन क्षेत्र हेक्टेयर में एवं कुल उत्पादन किलोग्राम में वर्ष 2021–22

क्र.	फसल	क्षेत्रफल	कुल कृषि क्षेत्रफल प्रतिशत	औसत उत्पादन	कुल उत्पादन क्विंटल में
1.	गेहूँ	321.400	89.27	–	930
2.	जौ	1.863	0.51	–	52
3.	चना	13.350	3.71	–	210
4.	राई सरसो	7.082	1.97	–	176
5.	अलसी	1.829	0.51	–	44
6.	मसूर	8.802	2.45	–	135
7.	अन्य	5.662	1.57	–	–

स्रोत:– 1. क्षेत्रफल पटवारी हल्का रायपुर कर्चुलियान, 2. उत्पादन प्र.हे. से उपलब्धता जानकारी 2021–22

ISSN (Online) 2582-9327

IJARSCMT

International Journal of Advanced Research in Science, Commerce, Management and Technology

Impact Factor: 5.781

Volume 3, Issue 7, July 2022

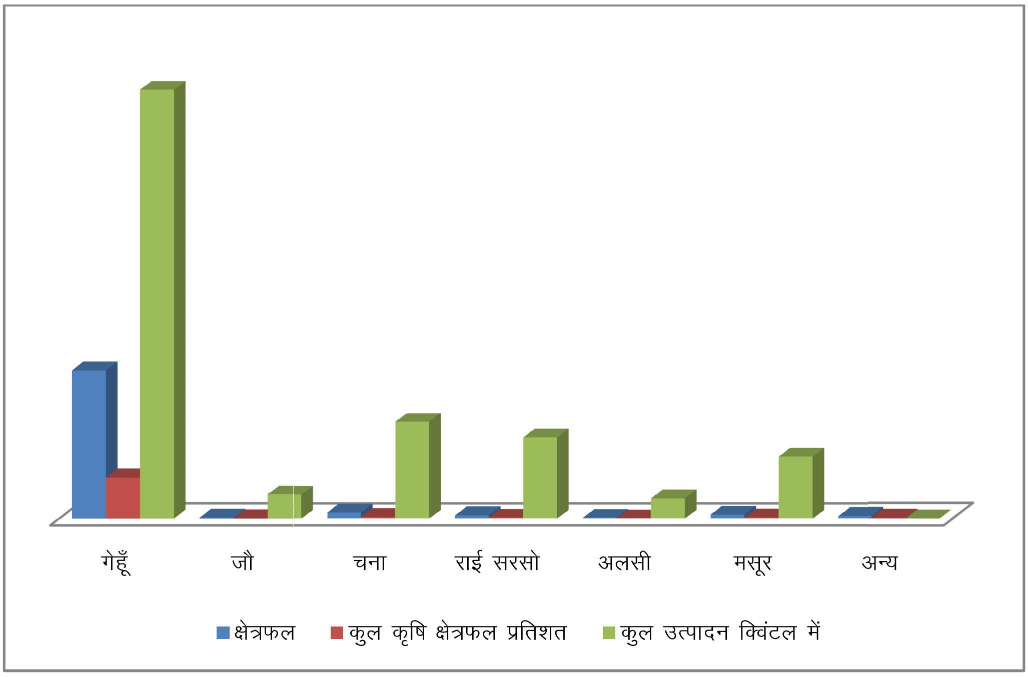

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 02 के अनुसार प्रतिवेदित ग्राम पंचायत क्षेत्र में गेहूँ के अंतर्गत सर्वाधिक 321. 40 हेक्टेयर प्रयुक्त हुयी जो कुल बोये गये क्षेत्र का 89.27 प्रतिशत भाग है। द्वितीय कोटि की फसल चना है जिसकी बुवाई 13.350 हेक्टेयर में की गयी जो समग्र बोय गये क्षेत्र का 3.71 प्रतिशत है। तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम कोटि की फसलों में मसूर, सरसों एवं जौ है जो क्रमशः 8.802, 7.082 हेक्टेयर एवं 1.863 हेक्टेयर में रोपित किये गये। अन्य फसलों में अलसी, मूँग है।

उत्पादन की दृष्टि से इस ग्राम पंचायत में सर्वाधिक गेहूँ का उत्पादन 9630 क्विंटल (2021–22) रहा। द्वितीय क्रम में चना का उत्पादन 210 क्विंटल किया गया। अन्य फसलों में मसूर, राई, सरसों एवं जौ का उत्पादन क्रमशः 135, 176 एवं 52 क्विंटल हुआ।

फलोत्पादनः

प्रतिवेदित ग्राम पंचायत में उत्पादन किये जाने वाले प्रमुख फलों में आम, आँवला एवं अमरूद है। इसके अतिरिक्त घरों पर लोग साग–सब्जियों का उत्पादन न्यून स्तर पर करते हैं। इस ग्राम पंचायत में उद्यान का प्रतिवेदित क्षेत्रफल 4.34 हेक्टेयर है। आम एक लोकप्रिय तथा ग्राम पंचायत में उत्पन्न किया जाने वाला प्रथम कोटि का प्रमुख फल है।

दुग्ध उत्पादनः

इस ग्राम पंचायत में उपलब्ध दुधारू पशुओं की कुल संख्या 335 है। जिनमें 102 भैंस, 183 गाय एवं 150 बकरियाँ है जिनसे प्रतिदिन औसत 325 लीटर दूध प्राप्त किया जाता है। वर्षा ऋतु में दुग्ध उत्पादन अधिक एवं ग्रीष्म ऋतु में कम होता है। अधिकांश दूध निकटवर्ती रीवा पठार में विक्रय किया जाता है।[5]

अध्ययन क्षेत्र ग्राम पंचायत रायपुर कर्चुलियान में मुख्य रूप से उन फसलों एवं पदार्थों का मुख्य रूप से उत्पादन किया जाता है जिनकी व्यावसायिक प्रकृति है। यद्यपि इस ग्राम पंचायत में गेहूँ का उत्पादन कुल कृषि क्षेत्रफल के 89.27 प्रतिशत भाग में किया जाता है। यह एक प्रमुख खाद्यान्न है, किन्तु इसका उत्पादन बाजार में विक्रय की दृष्टि से ही किया जाता है, जबकि मसूर, राई, सरसो एवं दुग्ध का उत्पादन भी विक्रय हेतु किया जाता है। व्यावसायिक प्रवृत्ति की फसलों एवं पदार्थों के उत्पादन में प्रमुख 03 संभावित कारण 1. इस ग्राम पंचायत की अधिकांश कृषित भूमि क्षत्रिय एवं ब्राह्मण वर्ग के पास है, जो कम लागत पर अधिक मुद्रा अर्जित करने वाली फसल को प्राथमिकता देते हैं। द्वितीय वर्ग के लोग जिनकी निर्भरता पशुपालन है, के लिये निकटवर्ती रीवा नगर में अच्छा बाजार उपलब्ध है तथा 3. भूमिहीन श्रमिकों के लिए रीवा नगर में श्रम की अच्छी मांग है। उपर्युक्त 03 कारणों से इस ग्राम पंचायत क्षेत्र में फसलों के उत्पादन में विविधता नहीं पाई जाती।

निष्कर्ष:

उपर्युक्त विवेचना से स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक मात्र गेहूँ ऐसा खाद्यान्न है जिसकी प्रचुर उत्पादन किया जा रहा है। यह खाद्यान्न अध्ययन क्षेत्र में निवास करने वाली 6415 जनसंख्या के लिये पर्याप्त है। यह अलग तथ्य है कि कुल उत्पादन का समग्र–भाग सभी उपभोक्ताओं हेतु सुलभ नहीं है। अन्य पदार्थों का उत्पादन कम है तथा उनकी प्रवृत्ति व्यावसायिक स्वरूप की है, फलतः ग्राम पंचायत की समग्र जनसंख्या के भरण–पोषण की निर्भरता आयातीत पोषण तत्वों पर निर्भर हो जाती है, जिसे ग्राम पंचायत की वह जनसंख्या जिनके परिवार की कुल आय 15000 रु. प्रति माह से कम है, संतुलित पोषक तत्वों के उपयोग से वंचित रह जाते हैं, फलतः कुपोषण में अभिवृद्धि स्वाभाविक है।

सुझावः

अध्ययन क्षेत्र में फसलों के उत्पादन में विविधता नहीं पाई जाती जिसके कारण स्थानिक रूप में उन तत्वों के उपलब्धता का अभाव पाया जाता है जो संतुलित पोषण हेतु उत्तरदायी है। क्षेत्रीय जनसंख्या की पोषण संबंधी निर्भरता बाजारोन्मुखी प्रवृत्ति की है, फलतः आर्थिक क्रियाओं को गतिशील कर क्षेत्रीय जनसंख्या की आय में वृद्धि की योजनाओं को मूर्तरूप किया जाना चाहिए साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर विविध प्रकार की फसलों के उत्पादन के प्रयास भी किया जाना चाहिए ताकि आवश्यक पोषक तत्वों की स्थानीय स्तर पर सहजता से उपलब्धता हो सके।

ISSN (Online) 2582-9327

IJARSCMT

International Journal of Advanced Research in Science, Commerce, Management and Technology

Impact Factor: 5.781

Volume 3, Issue 7, July 2022

संदर्भ स्रोतः

[1].सिंघई, जी.सी.–चिकित्सा भूगोल, दाउदपुर गोरखपुर 1993 पृ. 246–256

[2].धरातल पत्रक क्र. 63 एच. सर्वे ऑफ इण्डिया देहरादून 1992

[3].जिला जनगणना पुस्तिका रीवा 2011

[4].क्षेत्रीय सर्वेक्षण वर्ष 2021 जून

[5].क्षेत्रीय सर्वेक्षण वर्ष 2021 जून